

बिहार प्रदेश में तवा परियोजना

3405. श्री हुकम चन्द कल्याणः : क्या सिन्हाई और बिष्टुत् मंत्री 4 नवम्बर, 1965 के अंतरांकित प्रश्न संख्या 111 के उत्तर के सम्बन्ध में यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश में तवा बहुप्रयोजनीय परियोजना के अन्तर्गत अब तक कौन-कौन से निर्माण कार्य पूरे किये जा चुके हैं; और

(ख) अब तक कौन-कौन से कार्य पूरे नहीं हुए हैं ?

सिन्हाई और बिष्टुत् मंत्री (श्री कल्याण चन्द कल्याणः) : (क) परियोजना सड़कों तथा बहुत से भवनों जैसे प्राथमिक कार्य पूर्ण हो गये हैं ।

(ख) आधार की खुदाई, चिनाई, उमड़मागं का निर्माण, दोनों पारवों पर मिट्टी के तटबन्ध, दोनों नहरों और दो नहर प्रणालियों के लिये शीर्ष कार्य ।

Development of U.P.

3406. Shri Vishwa Nath Pandey: Will the Minister of Finance be pleased to state:

(a) the amount actually allotted to and spent by the Uttar Pradesh Government for the development of the State during 1965-66; and

(b) the amount proposed to be allotted to the State for the purpose during 1966-67?

The Minister of Finance (Shri Sachindra Chaudhuri): (a) The amount of Central assistance allotted for State Plan schemes in Uttar Pradesh in 1965-66 is Rs. 120.79 crores. The actual expenditure will be reported by the State Government only by the end of June, 1966.

(b) While the firm figures of assistance have not yet been finally communicated to the State Govern-

ment, the proposed assistance for the State Plan is Rs. 79.50 crores.

Rural Industries Projects Programme in U.P.

3407. Shri Vishwa Nath Pandey: Will the Minister of Planning be pleased to state:

(a) the area selected in Uttar Pradesh for the rural industries projects programme sponsored by the Rural Industries Planning Committee of the Planning Commission in the year 1965-66;

(b) the criteria for selection; and

(c) the progress made so far under the scheme?

The Minister of Planning and Social Welfare (Shri Asoka Mehta): (a) to (c). A statement is placed on the Table of the House. [Placed in Library. See No. LT-6010/68].

पूर्वी उत्तर प्रदेश का विकास

3408. श्री विश्वनाथ पाण्डेय : क्या योजना मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) 1 अप्रैल, 1964 से 31 मार्च, 1965 तक उत्तर प्रदेश के देवरिया, गाजीपुर, झाजमगढ़ तथा जौनपुर जिलों के विकास के लिए, जैसा कि पटेल आयोग ने सिफारिश की थी, कुल कितनी धनराशि दी गई;

(ख) क्या यह सच है कि उक्त अवधि में अनुदान की पूरी धनराशि का उपयोग नहीं किया गया;

(ग) यदि हाँ, तो उसके क्या कारण थे; और

(घ) यदि उपरोक्त भाग (ख) का उत्तर नकारात्मक हो, तो उन जिलों में किये गये काम का विवरण क्या है ?

योजना और समाज कल्याण मंत्री (श्री अशोक मेहता) : (क) और (घ). 1964-65 में स्वीकृत योजना व्यय-व्यवस्था